दैनिक भास्कर
08. 1. 2017

'पल कल, आज और कल' बुक में जिंदगी के उतार-चढ़ाव की सीख

राजस्थान पुलिस अकादमी में राजस्थान के पूर्व डीजीपी राजेंद्र शेखर की पुस्तक का विमोचन किया।

जयपुर। सीबीआई के पूर्व निदेशक राजेंद्र शेखर की पुस्तक पल कल, आज और कल का शनिवार को राजस्थान पुलिस अकादमी के सभागार में विमोचन किया गया। पुस्तक का विमोचन उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने किया।

इस अवसर पर पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जिंदगी के हर मोड़ पर उतार चढ़ाव आते है। जीवन में सीखने और सिखाने के लिए पुस्तक से मार्ग दर्शन होगा। उन्होंने कहा कि राजेंद्र शेखर ने पल कल, आज और कल' पुस्तक को आत्मकथा शैली में प्रोफेशन की बारीकियों के साथ फील्ड में आये चैलेंजेज के अविश्मरणीय पलों को रोचक तरीके से लिखा है। इस अवसर पर पूर्व सचिव इंद्रजीत खन्ना ने कहा कि पुस्तक में पांच पीढ़ियों का जिक्र किया गया हैं। पुस्तक में जो लिखा है वह सत्य लिखा है अर्द्ध सत्य भी नहीं। पूर्व विशिष्ट सचिव भारत सरकार गृहमंत्रालय ने कहा कि पुस्तक से आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। अपनी पुस्तक पर चर्चा करते हुए पूर्व डीजीपी राजेंद्र शेखर ने कहा कि आईपीएस सर्विस में काफी कुछ सीखने को मिला। एक समय था जब ईमेल नाम का परिंदा कल्पना में नहीं भटकता था। उन्होंने कहा कि अब तो संसार ग्लोबल विलेज बन गया। वॉट्सअप्प, मेल, फेसबुक से लोगों से जुडे होने का अवसर मिला है इसलिए बुक लिख सका। पुस्तक में पारिवारिक संबद्ध व कारोबार का एक दूसरे पर सकारात्मक व नकारात्मक असर का जिक्र है। उन्होंने कहा कि मेरे साथ हुए हादसा और उसके बाद नार्मल लाइफ में वापसी का डिस्क्रिपशन है।

दैनिक नवज्योति
08. 1. 2017

पुस्तक पल-कल आज और कल का विमोचन

नवज्योति, जयपुर

राजस्थान पुलिस अकादमी के सभागार में शनिवार को सीबीआई के पूर्व निदेशक राजेश शेखर ने अपनी पुस्तक पल-कल आज और कल का लोकापर्ण किया। पूर्व निदेशक ने अपनी विचारधारा को बताते हुए कहा कि नियति कई आयामों में विचरने के बाद अपने सत्व पर वापसी करती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी यूपपी एव डीजी बीएसएफ प्रकाश सिंह ने राजेन्द्र शेखर के साथ बिताए पलों को साझा किया। इस दौरान पूर्व मुख्य सचिव इनद्रजीत खन्ना, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं निदेशक आरपीए राजीव दासोत, अशोक भंडारी, रमेश अरोडा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। पूर्व निदेशक राजेन्द्र शेखर न बताया कि यह उनकी तीसरी पुस्तक है। इसमें उन्होंने निजी जीवन के अनुभवों के साथ कर्यक्षेत्र से जुडे कुछ अहम घटनाक्रमों को भी लिखने का प्रयास किया है। पुस्तक को लिखने की प्रेरणा उनकी पत्नी शीला शेखर और दोस्तों ने दी।

राजस्थान पत्रिका
08. 1. 2017

RAJASTHANPATRIKA.COM/ENTERTAINMENT

बुक में जीवन के अनुभव किए साझा

जयपुर ● नियति कई आयामों में विचरने के बाद अपने सत्व पर वापसी करती है। इस विचारधारा के साथ इस पुस्तक को लिखा है। यह बात पूर्व सीबीआई निदेशक राजेन्द्र शेखर ने शनिवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में अपनी पुस्तक 'पल-कल, आज और कल' के विमोचन में कही। उन्होंने बताया कि इसमें उन्होंने जीवन के अनुभव को लिखने का प्रयास किया है। पुस्तक को लिखने की प्रेरणा पत्नी शीला शेखर व दोस्तों ने दी। इसमें परिवार की स्थापना, घटित दुर्घटना, विवाह संबंधी विघ्न और जद्दोजहद, सरकार के खर्चे पर राजस्थान दर्शन आदि तथ्यों की चर्चा की है। इसमें शीला की ओर से विवाह के लिए मनाने को लिखे गए एक पत्र का भी जिक्र किया है। मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी यूपी एवं डीजी बीएसएफ प्रकाश सिंह ने राजेन्द्र के साथ बिताए पलों का जिक्र किया।